Hindi

प्रश्न 1. निम्नलिखित पहेलियाँ बूझकर उन्हें कंठस्थ करें और अपनी कक्षा में सुनाएँ :

(क) चढ़े नाक पर पकड़े कान,
बोलो बच्चों कौन शैतान।

(ख) कमर बाँधकर कोने में खड़ी,,
उसकी जरूरत हर घर में पड़ी।

(ग) पीछे–पीछे सबसे जाए,
जहाँ अँधेरा वहाँ न जाए।

(घ) एक महल में रस भरा, देख उसे मैं तो डरा,
खाएँ तो भी कैसे खाएँ, द्वार–द्वार पर लगा पहरा।

(ड.) पूँछ कटे तो सिया, सिर कटे तो मित्र,
मध्य कटे तो खोपड़ी, पहेली यह विचित्र।

प्रश्न 2. निम्नलिखित कविता के माध्यम से दिनों के नाम कंठस्थ कर कविता याद करिए :

सोमवार को पहला दिन,
दिखाते होमवर्क गिन–गिन
मंगलवार को ।बजपअपजल
नाचते गाते पूरे दिन,
बुधवार को गणेश की पूजा,
भक्ति भाव और काम न दूजा
गुरूवार को ळंउम में व्यस्त,
खेलते कूदते रहते मस्त
शुक्रवार को क्तूंपदह करते
शनिवार को छुट्टी में मन रहता,
जल्दी घर जाने को दिल करता।
रविवार को सोते खूब,
दिन भर मस्ती करते दौड़ धूप।
कैसे निकल गया सप्ताह,
पता न चला वाह, वाह, वाह।।

प्रश्न 3. निम्नलिखित कहानी को पढ़कर उसमें से स्त्रीलिंग एवं पुल्लिंग शब्द छाँटकर अलग–अलग करे :

एक जंगल में बब्बर शेर रहता था, उसे जंगल के सभी जानवरों जैसे हाथी, मोर, बकरी, लोमड़ी, हथिनी आदि को परेशान करने में बड़ा मजा आता था। एक दिन जंगल में एक लड़का गया चराने आया तो उसे उसकी माताजी और पिताजी ने बहुत समझाया कि बेटा जंगल की तरफ गाय, भैसों, को न ले जाए, लेकिन वह अपनी बहन टिन्नी के साथ जंगल की तरफ आ गया और उसे शेरनी का सामना करना पड़ा फिर वह बहुत पछताया और अपनी माँ की बात याद कर उसने सोचा, अब मैं हमेशा माता–पिता की बात मानूँगा।

प्रश्न 4. निम्नलिखित कविता कंठस्थ करके अपनी कक्षा में सुनाइये :

"अब ये चिड़िया कहाँ रहेगी"

आँधी आई जोर–शोर से,
डाली टूटी है झकोर से,
किससे अपनी बात रहेगी,
अब यह चिड़ियाँ कहाँ रहेगी ?
घर में पेड़ कहाँ से लाएँ,
कैसे यह घोसला बनाएँ,
कैसे फूटे अंडे जोड़े
किससे यह सब बात कहेगी,
अब ये चिड़िया कहाँ रहेगी ?

कवियित्री : महादेवी वर्मा